Total No. of Printed Pages : 13

(DO NOT OPEN THIS QUESTION BOOKLET BEFORE TIME OR UNTIL YOU ARE ASKED TO DO SO)

A

SET-Y

PG-EE-July, 2025

SUBJECT : Sanskrit

Sr. No. 10057

Time : **1¼ Hours** Max. Marks : **100** Total Questions : **100**

Roll No. (in figures)_____ (in words) _____

Name _____ Date of Birth_____

Father's Name _____ Mother's Name_____

Date of Examination_____

(Signature of the Candidate) (Signature of the Invigilator)

CANDIDATES MUST READ THE FOLLOWING INFORMATION/INSTRUCTIONS BEFORE STARTING THE QUESTION PAPER.

1. ***All questions are compulsory.***
2. The candidates ***must return*** the question booklet as well as OMR Answer-Sheet to the Invigilator concerned before leaving the Examination Hall, failing which a case of use of unfair-means / mis-behaviour will be registered against him / her, in addition to lodging of an FIR with the police. Further the answer-sheet of such a candidate will not be evaluated.
3. Keeping in view the transparency of the examination system, carbonless OMR Sheet is provided to the candidate so that a copy of OMR Sheet may be kept by the candidate.
4. Question Booklet along with answer key of all the A, B, C & D code shall be got uploaded on the University Website immediately after the conduct of Entrance Examination. Candidates may raise valid objection/complaint if any, with regard to discrepancy in the question booklet/answer key within 24 hours of uploading the same on the University Website. The complaint be sent by the students to the Controller of Examinations by hand or through email. Thereafter, no complaint in any case, will be considered.
5. The candidate ***must not*** do any rough work or writing in the OMR Answer-Sheet. Rough work, if any, may be done in the question booklet itself. Answers ***must not*** be ticked in the question booklet.
6. ***There will be no negative marking. Each correct answer will be awarded one full mark. Cutting, erasing, overwriting and more than one answer in OMR Answer-Sheet will be treated as incorrect answer.***
7. Use only **Black** or **Blue Ball Point Pen** of good quality in the OMR Answer-Sheet.
8. *Before answering the questions, the candidates should ensure that they have been supplied correct and complete booklet. Complaints, if any, regarding misprinting etc. will not be entertained* **30** *minutes after starting of the examination.*

PG-EE-July, 2025/(Sanskrit)(SET-Y)/(A)

Scanned with OKEN Scanner

1. ऋग्वेद में "ऋक्" का अर्थ है –
   (1) गायनपरक मन्त्र (2) अर्चनपरक मन्त्र
   (3) यजनपरक मन्त्र (4) उपचारपरक मन्त्र

2. वेदत्रयी में किस वेद का परिगणन *नहीं* किया जाता ?
   (1) अथर्ववेद (2) ऋग्वेद (3) यजुर्वेद (4) सामवेद

3. ऋग्वेद में मण्डलों की संख्या है –
   (1) बारह (2) दस
   (3) बीस (4) चालीस

4. यजुर्वेद में अध्यायों की संख्या है –
   (1) बीस (2) बारह (3) चालीस (4) दस

5. अथर्ववेद में काण्डों की संख्या है –
   (1) बीस (2) दस
   (3) बारह (4) चालीस

6. सर्वाधिक मन्त्र संख्या वाला वेद है –
   (1) यजुर्वेद (2) अथर्ववेद
   (3) सामवेद (4) ऋग्वेद

7. सबसे कम मन्त्र संख्या वाला वेद है –
   (1) यजुर्वेद (2) अथर्ववेद
   (3) सामवेद (4) ऋग्वेद

8. किस शास्त्र को वेद पुरुष का मुख स्वीकार किया जाता है ?
   (1) निरुक्त को (2) शिक्षा को
   (3) ज्योतिष को (4) व्याकरण को

9. अधोलिखित में *असमान* विकल्प चुनें –
   (1) निरुक्त (2) व्याकरण (3) आयुर्वेद (4) ज्योतिष

Scanned with OKEN Scanner

10. किस शास्त्र को वेदपुरुष का पैर कहा जाता है ?

(1) व्याकरणशास्त्र को (2) कल्पशास्त्र को

(3) ज्योतिषशास्त्र को (4) छन्दशास्त्र को

11. किस शास्त्र को वेदपुरुष का हाथ कहा जाता है ?

(1) व्याकरणशास्त्र को (2) कल्पशास्त्र को

(3) ज्योतिषशास्त्र को (4) छन्दशास्त्र को

12. ऋग्वेद से सम्बद्ध ब्राह्मणग्रन्थ है –

(1) ऐतरेय (2) गोपथ (3) शतपथ (4) ताण्ड्य

13. यजुर्वेद से सम्बद्ध ब्राह्मणग्रन्थ है –

(1) गोपथ (2) ऐतरेय

(3) शतपथ (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

14. सामवेद से सम्बद्ध ब्राह्मणग्रन्थ है –

(1) गोपथ (2) ऐतरेय

(3) शतपथ (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

15. अथर्ववेद से सम्बद्ध ब्राह्मणग्रन्थ है –

(1) गोपथ (2) ऐतरेय

(3) शतपथ (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

16. यजुर्वेद से सम्बद्ध उपनिषद् है –

(1) ऐतरेयोपनिषद् (2) केनोपनिषद् (3) कठोपनिषद् (4) मुण्डकोपनिषद्

17. सामवेद से सम्बद्ध उपनिषद् है –

(1) कठोपनिषद् (2) केनोपनिषद्

(3) प्रश्नोपनिषद् (4) मुण्डकोपनिषद्

18. अथर्ववेद से सम्बद्ध उपनिषद् है –

(1) ऐतरेयोपनिषद् (2) केनोपनिषद् (3) छान्दोग्योपनिषद् (4) मुण्डकोपनिषद्

Scanned with OKEN Scanner

19. ऋग्वेद से सम्बद्ध उपनिषद् है –

(1) कठोपनिषद् (2) ऐतरेयोपनिषद्

(3) प्रश्नोपनिषद् (4) मुण्डकोपनिषद्

20. बृहदारण्यकोपनिषद् किस वेद से सम्बद्ध है ?

(1) सामवेद (2) ऋग्वेद

(3) अथर्ववेद (4) यजुर्वेद

21. आदिकवि के नाम से प्रसिद्ध हैं –

(1) व्यास (2) वाल्मीकि

(3) वसिष्ठ (4) विश्वामित्र

22. शतसाहस्री के नाम से प्रसिद्ध ग्रन्थ है –

(1) वेद (2) उपनिषद्

(3) रामायण (4) महाभारत

23. आदिकाव्य के नाम से प्रसिद्ध ग्रन्थ है –

(1) गीता (2) उपनिषद् (3) रामायण (4) महाभारत

24. गीता किसका भाग है ?

(1) वेद का (2) उपनिषद् का

(3) रामायण का (4) महाभारत का

25. रामायण में कितने काण्ड हैं ?

(1) सात (2) बारह (3) आठ (4) दस

26. जय नामक काव्य के प्रणेता कवि हैं –

(1) व्यास (2) वाल्मीकि (3) वसिष्ठ (4) विश्वामित्र

27. *सही* युग्म पहचानें –

(1) अश्वघोष–कर्णभारम् (2) कालिदास–ऋतुसंहारम्

(3) भास–मेघदूतम् (4) बाणभट्ट–बुद्धचितम्

Scanned with OKEN Scanner

28. *सही* युग्म पहचानें :

(1) अश्वघोष–बुद्धचरितम्
(2) विशाखदत्त–नागानन्दम्
(3) भट्ट नारायण–मुद्राराक्षसम्
(4) भवभूति–प्रतिमानाटकम्

29. *सही* युग्म पहचानें :

(1) चारुदत्तम्–शूद्रक
(2) नागानन्दम्–विशाखदत्त
(3) मुद्राराक्षसम्–भट्ट नारायण
(4) उत्तररामचरितम्–भवभूति

30. *सही* युग्म पहचानें :

(1) अश्वघोष–किरातार्जुनीयम्
(2) भारवि–विक्रमोर्वशीयम्
(3) बाणभट्ट–कादम्बरी
(4) भास–शिवराजविजयम्

31. "अभिज्ञानशाकुन्तलम्" के लेखक हैं –

(1) भवभूति
(2) माघ
(3) भारवि
(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

32. "शिशुपालवधम्" के लेखक हैं –

(1) माघ
(2) दण्डी
(3) श्रीहर्ष
(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

33. "नैषधीयचरितम्" के लेखक हैं –

(1) बाणभट्ट (2) श्रीहर्ष (3) भारवि (4) अश्वघोष

34. "प्रतिमानाटकम्" के लेखक हैं –

(1) बाणभट्ट (2) श्रीहर्ष (3) अश्वघोष (4) भास

35. लघुत्रयी में गिने जाने वाले काव्यग्रन्थ हैं –

(1) कुमारसम्भवम् – मेघदूतम् – रघुवंशम्
(2) रघुवंशम् – शिशुपालवधम् – नैषधीयचरितम्
(3) किरातार्जुनीयम् – शिशुपालवधम् – नैषधीयचरितम्
(4) कुमारसम्भवम् – मेघदूतम् – शिशुपालवधम्

Scanned with OKEN Scanner

36. बृहत्त्रयी में गिने जाने वाले काव्यग्रन्थ हैं –

(1) कुमारसम्भवम् – मेघदूतम् – रघुवंशम्

(2) रघुवंशम् – शिशुपालवधम् – नैषधीयचरितम्

(3) किरातार्जुनीयम् – शिशुपालवधम् – नैषधीयचरितम्

(4) कुमारसम्भवम् – मेघदूतम् – शिशुपालवधम्

37. "अभिज्ञानशाकुन्तलम्" नाटक में अंकों की संख्या है –

(1) आठ (2) पाँच

(3) सात (4) दस

38. "मृच्छकटिकम्" नाटक के लेखक हैं –

(1) अम्बिकादत्त व्यास (2) शूद्रक

(3) भवभूति (4) नारायण पंडित

39. "रत्नावली" नाटिका के लेखक हैं –

(1) बाणभट्ट (2) हर्षवर्धन

(3) भास (4) माघ

40. करुण रस के लिए प्रसिद्ध कवि हैं –

(1) श्रीहर्ष (2) भारवि

(3) विशाखदत्त (4) भवभूति

41. उपमा के लिए प्रसिद्ध कवि हैं –

(1) अश्वघोष (2) दण्डी

(3) विशाखदत्त (4) कालिदास

42. पदलालित्य के लिए प्रसिद्ध कवि हैं –

(1) दण्डी (2) अश्वघोष (3) विशाखदत्त (4) बाणभट्ट

43. विष्णुशर्मा की प्रसिद्ध कृति है –

(1) नीतिशतक (2) पंचतंत्र (3) हितोपदेश (4) वैराग्यशतक

Scanned with OKEN Scanner

44. नारायण पंडित की प्रसिद्ध कृति है –

(1) नीतिशतक (2) पंचतंत्र

(3) हितोपदेश (4) वैराग्यशतक

45. "वासवदत्ता" के लेखक हैं –

(1) दण्डी (2) अम्बिकादत्त व्यास

(3) सुबन्धु (4) वाणभट्ट

46. "दशकुमारचरित" के लेखक हैं –

(1) नारायण पंडित (2) अम्बिकादत्त व्यास

(3) सुबन्धु (4) दण्डी

47. "शिवराजविजयम्" के लेखक हैं –

(1) अम्बिकादत्त व्यास (2) विष्णुशर्मा

(3) नारायण पंडित (4) विजय भट्ट

48. "नीतिशतक" के लेखक हैं –

(1) चाणक्य (2) विष्णुशर्मा

(3) भर्तृहरि (4) विदुर

49. कालिदास कृत नाटकों की संख्या है –

(1) पाँच (2) तीन

(3) चार (4) दो

50. कालिदास की कृतियों की संख्या है –

(1) सात (2) तीन

(3) चार (4) दस

51. उभयपदार्थप्रधान समास होता है –

(1) बहुव्रीहि (2) अव्ययीभाव

(3) तत्पुरुष (4) द्वन्द्व

Scanned with OKEN Scanner

52. उत्तरपदार्थ प्रधान समास होता है –

(1) द्वन्द्व (2) तत्पुरुष (3) अव्ययीभाव (4) बहुव्रीहि

53. अन्यपदार्थ प्रधान समास होता है –

(1) द्वन्द्व (2) तत्पुरुष (3) अव्ययीभाव (4) बहुव्रीहि

54. "यथाशक्ति" पद में समास है –

(1) द्वन्द्व (2) कर्मधारय (3) अव्ययीभाव (4) बहुव्रीहि

55. "नीलोत्पलम्" पद में समास है –

(1) कर्मधारय (2) द्वन्द्व

(3) अव्ययीभाव (4) बहुव्रीहि

56. "नगेन्द्रः" पद में सन्धि है –

(1) गुण सन्धि (2) वृद्धि सन्धि

(3) दीर्घ सन्धि (4) ह्रस्व सन्धि

57. "सतीशः" पद में सन्धि है –

(1) गुण सन्धि (2) वृद्धि सन्धि

(3) दीर्घ सन्धि (4) हल् सन्धि

58. "रमेशः" पद में सन्धि विच्छेद होगा –

(1) रमा + ईशः (2) रमे + ईशः

(3) राम + ईशः (4) रम + ईशः

59. "नायकः" पद में सन्धि है –

(1) गुण सन्धि (2) वृद्धि सन्धि

(3) दीर्घ सन्धि (4) अयादि सन्धि

60. "अद्यापि" पद में सन्धि है –

(1) यण सन्धि (2) वृद्धि सन्धि

(3) दीर्घ सन्धि (4) अयादि सन्धि

Scanned with OKEN Scanner

61. "महर्षि" पद में सन्धि है –

(1) गुण सन्धि
(2) वृद्धि सन्धि
(3) दीर्घ सन्धि
(4) यण सन्धि

62. "गायकः" पद में सन्धि विच्छेद होगा –

(1) गा + अकः
(2) गै + अकः
(3) गाय् + अकः
(4) गा + यकः

63. संस्कृत भाषा में विभक्तियों की संख्या होती है –

(1) पाँच
(2) सात
(3) दस
(4) छः

64. संस्कृत भाषा में कारकों की संख्या होती है –

(1) पाँच
(2) सात
(3) दस
(4) छह

65. सम्बन्ध बताने में विभक्ति होती है –

(1) पञ्चमी
(2) षष्ठी
(3) चतुर्थी
(4) तृतीया

66. कर्ता कारक में विभक्ति होती है –

(1) प्रथमा
(2) द्वितीया
(3) पंचमी
(4) चतुर्थी

67. सम्बोधन में विभक्ति होती है –

(1) द्वितीया
(2) चतुर्थी
(3) प्रथमा
(4) तृतीया

68. अपादान कारक में विभक्ति होती है –

(1) पञ्चमी
(2) षष्ठी
(3) सप्तमी
(4) चतुर्थी

Scanned with OKEN Scanner

69. अधिकरण कारक में विभक्ति होती है –

(1) पञ्चमी (2) षष्ठी

(3) सप्तमी (4) चतुर्थी

70. "बालकः विद्यालयं गच्छति" यहाँ रेखांकित पद में कारक है –

(1) करण (2) संप्रदान

(3) कर्म (4) अधिकरण

71. "वृक्षात् फलं पतति" यहाँ रेखांकित पद में कारक है –

(1) करण (2) अपादान

(3) संप्रदान (4) अधिकरण

72. "नृपः विप्राय धनं ददाति" यहाँ रेखांकित पद में कारक है –

(1) करण (2) अपादान

(3) अधिकरण (4) संप्रदान

73. "राम शब्द का रामाभ्याम् रूप किस विभक्ति में ***नहीं*** बनता है ?

(1) पंचमी (2) तृतीया

(3) षष्ठी (4) चतुर्थी

74. "कवि" शब्द का चतुर्थी विभक्ति एकवचन में रूप होता है –

(1) कवये (2) कवाय

(3) कव्यै (4) कवयः

75. "नदी" शब्द का तृतीया विभक्ति एकवचन में रूप होता है –

(1) नद्याम् (2) नद्यै

(3) नदिना (4) नद्या

76. "मति" शब्द का सप्तमी विभक्ति एकवचन में रूप होता है –

(1) मतौ (2) मते

(3) मतये (4) मत्याः

Scanned with OKEN Scanner

77. "पितृ" शब्द का षष्ठी विभक्ति एकवचन में रूप होता है –

(1) पितुः (2) पितरस्य

(3) पित्रोः (4) पित्रा

78. "इदम्" शब्द का पुल्लिंग में तृतीया विभक्ति बहुवचन में रूप होता है –

(1) इमान् (2) एभ्यः

(3) एषाम् (4) एभिः

79. "तत्" शब्द का नपुंसकलिंग में पंचमी एकवचन का रूप होता है –

(1) तेषाम् (2) तस्य

(3) तस्मिन् (4) तस्मात्

80. "तत्" शब्द का स्त्रीलिंग सप्तमी विभक्ति बहुवचन में रूप होता है –

(1) तेषु (2) तासाम्

(3) तासु (4) तस्याम्

81. "अष्मद्" शब्द का चतुर्थी विभक्ति बहुवचन में रूप होता है –

(1) अस्मभ्यम् (2) मह्यम्

(3) आवाभ्यः (4) अस्माभ्यः

82. "विद्वस्" शब्द का तृतीया विभक्ति एकवचन में रूप होता है –

(1) विदुषेण (2) विदुषा

(3) विद्वानेन (4) विदुषे

83. "भवतु" भू धातु के किस लकार का रूप है ?

(1) लट् (2) लिट्

(3) लोट् (4) लृट्

84. "अपठत्" पठ् धातु के किस लकार का रूप है ?

(1) लृङ् (2) लुङ्

(3) लङ् (4) लिङ्

Scanned with OKEN Scanner

85. "गमिष्यति" गम् धातु के किस लकार का रूप है ?

(1) लुट्
(2) लिट्
(3) लोट्
(4) लृट्

86. "पठ्" धातु लङ् लकार प्रथम पुरुष बहुवचन का रूप है –

(1) अपठः
(2) अपठन्
(3) अपठम्
(4) अपठाम

87. "हस्" धातु लोट् लकार उत्तम पुरुष एकवचन का रूप है –

(1) हसानि
(2) हसामि
(3) हसाम
(4) अहसाम

88. "कृ" धातु लृट् लकार उत्तम पुरुष बहुवचन का रूप है –

(1) करिष्यावः
(2) करिष्यामि
(3) करिष्यामः
(4) करिष्यन्ति

89. "वद्" धातु लिङ् लकार प्रथम पुरुष बहुवचन का रूप है –

(1) वदेयुः
(2) वदाम
(3) वदेम
(4) अवदन्

90. "हसन्तः" पद में प्रत्यय है –

(1) क्त
(2) ल्यप्
(3) क्तवतु
(4) शतृ

91. "धावमानः" पद में प्रत्यय है –

(1) शतृ
(2) शानच्
(3) क्तवतु
(4) ण्वुल्

92. "पठित्वा" पद में प्रत्यय है –

(1) क्तवा
(2) ल्यप्
(3) शतृ
(4) ण्वुल्

Scanned with OKEN Scanner

93. अनुष्टुप् छंद के सभी चरणों में कौन-सा वर्ण लघु ही होता है ?
(1) चतुर्थ (2) पंचम
(3) षष्ठ (4) सप्तम

94. आर्या छंद के प्रथम चरण में मात्राओं की संख्या होती है –
(1) दस (2) बारह
(3) चौदह (4) आठ

95. तभजाः जगौ गः, के क्रम में गण व्यवस्था होने पर छंद होता है –
(1) मालिनी (2) इन्द्रवज्रा
(3) वसन्ततिलका (4) शिखरिणी

96. अनुप्रास अलंकार कितने प्रकार का होता है ?
(1) दो (2) चार
(3) तीन (4) पाँच

97. हेतु के बिना कार्य की उत्पत्ति का वर्णन होने पर अलंकार होता है –
(1) विभावना (2) उपमा
(3) अतिशयोक्ति (4) यमक

98. उपमेय और उपमान की तुलना करने पर अलंकार होता है –
(1) विभावना (2) उत्प्रेक्षा
(3) रूपक (4) उपमा

99. उपमेय में उपमान की संभावना व्यक्त करने पर अलंकार होता है –
(1) विशेषोक्ति (2) उत्प्रेक्षा
(3) अर्थान्तरन्यास (4) उपमा

100. हेतु के रहते हुए भी कार्य के न होने पर अलंकार होता है –
(1) रूपक (2) उपमा
(3) विशेषोक्ति (4) अतिशयोक्ति

Scanned with OKEN Scanner

Total No. of Printed Pages : 13

(DO NOT OPEN THIS QUESTION BOOKLET BEFORE TIME OR UNTIL YOU ARE ASKED TO DO SO)

B

SET-Y

PG-EE-July, 2025

SUBJECT : Sanskrit

Sr. No. 10054

Time : **1¼ Hours** Max. Marks : **100** Total Questions : **100**

Roll No. (in figures)_____ (in words) _____

Name _____ Date of Birth_____

Father's Name _____ Mother's Name_____

Date of Examination_____

_____ _____

(Signature of the Candidate) (Signature of the Invigilator)

CANDIDATES MUST READ THE FOLLOWING INFORMATION/INSTRUCTIONS BEFORE STARTING THE QUESTION PAPER.

1. ***All questions are compulsory.***
2. The candidates ***must return*** the question booklet as well as OMR Answer-Sheet to the Invigilator concerned before leaving the Examination Hall, failing which a case of use of unfair-means / mis-behaviour will be registered against him / her, in addition to lodging of an FIR with the police. Further the answer-sheet of such a candidate will not be evaluated.
3. Keeping in view the transparency of the examination system, carbonless OMR Sheet is provided to the candidate so that a copy of OMR Sheet may be kept by the candidate.
4. Question Booklet along with answer key of all the A, B, C & D code shall be got uploaded on the University Website immediately after the conduct of Entrance Examination. Candidates may raise valid objection/complaint if any, with regard to discrepancy in the question booklet/answer key within 24 hours of uploading the same on the University Website. The complaint be sent by the students to the Controller of Examinations by hand or through email. Thereafter, no complaint in any case, will be considered.
5. The candidate ***must not*** do any rough work or writing in the OMR Answer-Sheet. Rough work, if any, may be done in the question booklet itself. Answers ***must not*** be ticked in the question booklet.
6. ***There will be no negative marking. Each correct answer will be awarded one full mark. Cutting, erasing, overwriting and more than one answer in OMR Answer-Sheet will be treated as incorrect answer.***
7. Use only **Black** or **Blue Ball Point Pen** of good quality in the OMR Answer-Sheet.
8. *Before answering the questions, the candidates should ensure that they have been supplied correct and complete booklet. Complaints, if any, regarding misprinting etc. will not be entertained* **30** *minutes after starting of the examination.*

PG-EE-July, 2025/(Sanskrit)(SET-Y)/(B)

Scanned with OKEN Scanner

1. किस शास्त्र को वेदपुरुष का हाथ कहा जाता है ?
   (1) व्याकरणशास्त्र को (2) कल्पशास्त्र को
   (3) ज्योतिषशास्त्र को (4) छन्दशास्त्र को

2. ऋग्वेद से सम्बद्ध ब्राह्मणग्रन्थ है –
   (1) ऐतरेय (2) गोपथ (3) शतपथ (4) ताण्ड्य

3. यजुर्वेद से सम्बद्ध ब्राह्मणग्रन्थ है –
   (1) गोपथ (2) ऐतरेय
   (3) शतपथ (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

4. सामवेद से सम्बद्ध ब्राह्मणग्रन्थ है –
   (1) गोपथ (2) ऐतरेय
   (3) शतपथ (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

5. अथर्ववेद से सम्बद्ध ब्राह्मणग्रन्थ है –
   (1) गोपथ (2) ऐतरेय
   (3) शतपथ (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

6. यजुर्वेद से सम्बद्ध उपनिषद् है –
   (1) ऐतरेयोपनिषद् (2) केनोपनिषद् (3) कठोपनिषद् (4) मुण्डकोपनिषद्

7. सामवेद से सम्बद्ध उपनिषद् है –
   (1) कठोपनिषद् (2) केनोपनिषद्
   (3) प्रश्नोपनिषद् (4) मुण्डकोपनिषद्

8. अथर्ववेद से सम्बद्ध उपनिषद् है –
   (1) ऐतरेयोपनिषद् (2) केनोपनिषद् (3) छान्दोग्योपनिषद् (4) मुण्डकोपनिषद्

9. ऋग्वेद से सम्बद्ध उपनिषद् है –
   (1) कठोपनिषद् (2) ऐतरेयोपनिषद्
   (3) प्रश्नोपनिषद् (4) मुण्डकोपनिषद्

Scanned with OKEN Scanner

10. बृहदारण्यकोपनिषद् किस वेद से सम्बद्ध है ?

(1) सामवेद (2) ऋग्वेद

(3) अथर्ववेद (4) यजुर्वेद

11. "धावमानः" पद में प्रत्यय है –

(1) शतृ (2) शानच्

(3) क्तवतु (4) ण्वुल्

12. "पठित्वा" पद में प्रत्यय है –

(1) क्तवा (2) ल्यप्

(3) शतृ (4) ण्वुल्

13. अनुष्टुप् छंद के सभी चरणों में कौन-सा वर्ण लघु ही होता है ?

(1) चतुर्थ (2) पंचम

(3) षष्ठ (4) सप्तम

14. आर्या छंद के प्रथम चरण में मात्राओं की संख्या होती है –

(1) दस (2) बारह

(3) चौदह (4) आठ

15. तभजाः जगौ गः, के क्रम में गण व्यवस्था होने पर छंद होता है –

(1) मालिनी (2) इन्द्रवज्रा

(3) वसन्ततिलका (4) शिखरिणी

16. अनुप्रास अलंकार कितने प्रकार का होता है ?

(1) दो (2) चार

(3) तीन (4) पाँच

17. हेतु के बिना कार्य की उत्पत्ति का वर्णन होने पर अलंकार होता है –

(1) विभावना (2) उपमा

(3) अतिशयोक्ति (4) यमक

Scanned with OKEN Scanner

18. उपमेय और उपमान की तुलना करने पर अलंकार होता है –
(1) विभावना (2) उत्प्रेक्षा
(3) रूपक (4) उपमा

19. उपमेय में उपमान की संभावना व्यक्त करने पर अलंकार होता है –
(1) विशेषोक्ति (2) उत्प्रेक्षा
(3) अर्थान्तरन्यास (4) उपमा

20. हेतु के रहते हुए भी कार्य के न होने पर अलंकार होता है –
(1) रूपक (2) उपमा
(3) विशेषोक्ति (4) अतिशयोक्ति

21. "वृक्षात् फलं पतति" यहाँ रेखांकित पद में कारक है –
(1) करण (2) अपादान
(3) संप्रदान (4) अधिकरण

22. "नृपः विप्राय धनं ददाति" यहाँ रेखांकित पद में कारक है –
(1) करण (2) अपादान
(3) अधिकरण (4) संप्रदान

23. "राम शब्द का रामाभ्याम् रूप किस विभक्ति में *नहीं* बनता है ?
(1) पंचमी (2) तृतीया
(3) षष्ठी (4) चतुर्थी

24. "कवि" शब्द का चतुर्थी विभक्ति एकवचन में रूप होता है –
(1) कवये (2) कवाय
(3) कव्यै (4) कवयः

25. "नदी" शब्द का तृतीया विभक्ति एकवचन में रूप होता है –
(1) नद्याम् (2) नद्यै
(3) नदिना (4) नद्या

Scanned with OKEN Scanner

26. "मति" शब्द का सप्तमी विभक्ति एकवचन में रूप होता है –

(1) मतौ (2) मते

(3) मतये (4) मत्याः

27. "पितृ" शब्द का षष्ठी विभक्ति एकवचन में रूप होता है –

(1) पितुः (2) पितरस्य

(3) पित्रोः (4) पित्रा

28. "इदम्" शब्द का पुल्लिंग में तृतीया विभक्ति बहुवचन में रूप होता है –

(1) इमान् (2) एभ्यः

(3) एषाम् (4) एभिः

29. "तत्" शब्द का नपुंसकलिंग में पंचमी एकवचन का रूप होता है –

(1) तेषाम् (2) तस्य

(3) तस्मिन् (4) तस्मात्

30. "तत्" शब्द का स्त्रीलिंग सप्तमी विभक्ति बहुवचन में रूप होता है –

(1) तेषु (2) तासाम्

(3) तासु (4) तस्याम्

31. उभयपदार्थप्रधान समास होता है –

(1) बहुव्रीहि (2) अव्ययीभाव

(3) तत्पुरुष (4) द्वन्द्व

32. उत्तरपदार्थ प्रधान समास होता है –

(1) द्वन्द्व (2) तत्पुरुष (3) अव्ययीभाव (4) बहुव्रीहि

33. अन्यपदार्थ प्रधान समास होता है –

(1) द्वन्द्व (2) तत्पुरुष (3) अव्ययीभाव (4) बहुव्रीहि

34. "यथाशक्ति" पद में समास है –

(1) द्वन्द्व (2) कर्मधारय (3) अव्ययीभाव (4) बहुव्रीहि

Scanned with OKEN Scanner

35. "नीलोत्पलम्" पद में समास है –

(1) कर्मधारय
(2) द्वन्द्व
(3) अव्ययीभाव
(4) बहुव्रीहि

36. "नगेन्द्रः" पद में सन्धि है –

(1) गुण सन्धि
(2) वृद्धि सन्धि
(3) दीर्घ सन्धि
(4) ह्रस्व सन्धि

37. "सतीशः" पद में सन्धि है –

(1) गुण सन्धि
(2) वृद्धि सन्धि
(3) दीर्घ सन्धि
(4) हल् सन्धि

38. "रमेशः" पद में सन्धि विच्छेद होगा –

(1) रमा + ईशः
(2) रमे + ईशः
(3) राम + ईशः
(4) रम + ईशः

39. "नायकः" पद में सन्धि है –

(1) गुण सन्धि
(2) वृद्धि सन्धि
(3) दीर्घ सन्धि
(4) अयादि सन्धि

40. "अद्यापि" पद में सन्धि है –

(1) यण सन्धि
(2) वृद्धि सन्धि
(3) दीर्घ सन्धि
(4) अयादि सन्धि

41. "अभिज्ञानशाकुन्तलम्" के लेखक हैं –

(1) भवभूति
(2) माघ
(3) भारवि
(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

42. "शिशुपालवधम्" के लेखक हैं –

(1) माघ
(2) दण्डी
(3) श्रीहर्ष
(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Scanned with OKEN Scanner

43. "नैषधीयचरितम्" के लेखक हैं –

(1) बाणभट्ट (2) श्रीहर्ष

(3) भारवि (4) अश्वघोष

44. "प्रतिमानाटकम्" के लेखक हैं –

(1) बाणभट्ट (2) श्रीहर्ष

(3) अश्वघोष (4) भास

45. लघुत्रयी में गिने जाने वाले काव्यग्रन्थ हैं –

(1) कुमारसम्भवम् – मेघदूतम् – रघुवंशम्

(2) रघुवंशम् – शिशुपालवधम् – नैषधीयचरितम्

(3) किरातार्जुनीयम् – शिशुपालवधम् – नैषधीयचरितम्

(4) कुमारसम्भवम् – मेघदूतम् – शिशुपालवधम्

46. वृहत्त्रयी में गिने जाने वाले काव्यग्रन्थ हैं –

(1) कुमारसम्भवम् – मेघदूतम् – रघुवंशम्

(2) रघुवंशम् – शिशुपालवधम् – नैषधीयचरितम्

(3) किरातार्जुनीयम् – शिशुपालवधम् – नैषधीयचरितम्

(4) कुमारसम्भवम् – मेघदूतम् – शिशुपालवधम्

47. "अभिज्ञानशाकुन्तलम्" नाटक में अंकों की संख्या है –

(1) आठ (2) पाँच

(3) सात (4) दस

48. "मृच्छकटिकम्" नाटक के लेखक हैं –

(1) अम्बिकादत्त व्यास (2) शूद्रक

(3) भवभूति (4) नारायण पंडित

49. "रत्नावली" नाटिका के लेखक हैं –

(1) बाणभट्ट (2) हर्षवर्धन

(3) भास (4) माघ

Scanned with OKEN Scanner

50. करुण रस के लिए प्रसिद्ध कवि हैं –

(1) श्रीहर्ष (2) भारवि

(3) विशाखदत्त (4) भवभूति

51. आदिकवि के नाम से प्रसिद्ध हैं –

(1) व्यास (2) वाल्मीकि

(3) वसिष्ठ (4) विश्वामित्र

52. शतसाहस्री के नाम से प्रसिद्ध ग्रन्थ है –

(1) वेद (2) उपनिषद्

(3) रामायण (4) महाभारत

53. आदिकाव्य के नाम से प्रसिद्ध ग्रन्थ है –

(1) गीता (2) उपनिषद् (3) रामायण (4) महाभारत

54. गीता किसका भाग है ?

(1) वेद का (2) उपनिषद् का

(3) रामायण का (4) महाभारत का

55. रामायण में कितने काण्ड हैं ?

(1) सात (2) बारह (3) आठ (4) दस

56. जय नामक काव्य के प्रणेता कवि हैं –

(1) व्यास (2) वाल्मीकि (3) वसिष्ठ (4) विश्वामित्र

57. *सही* युग्म पहचानें –

(1) अश्वघोष–कर्णभारम् (2) कालिदास–ऋतुसंहारम्

(3) भास–मेघदूतम् (4) बाणभट्ट–बुद्धचितम्

58. *सही* युग्म पहचानें :

(1) अश्वघोष–बुद्धचरितम् (2) विशाखदत्त–नागानन्दम्

(3) भट्ट नारायण–मुद्राराक्षसम् (4) भवभूति–प्रतिमानाटकम्

Scanned with OKEN Scanner

59. *सही* युग्म पहचानें :

(1) चारुदत्तम्-शूद्रक
(2) नागानन्दम्-विशाखदत्त
(3) मुद्राराक्षसम्-भट्ट नारायण
(4) उत्तररामचरितम्-भवभूति

60. *सही* युग्म पहचानें :

(1) अश्वघोष-किरातार्जुनीयम्
(2) भारवि-विक्रमोर्वशीयम्
(3) बाणभट्ट-कादम्बरी
(4) भास-शिवराजविजयम्

61. उपमा के लिए प्रसिद्ध कवि हैं -

(1) अश्वघोष (2) दण्डी (3) विशाखदत्त (4) कालिदास

62. पदलालित्य के लिए प्रसिद्ध कवि हैं -

(1) दण्डी (2) अश्वघोष (3) विशाखदत्त (4) बाणभट्ट

63. विष्णुशर्मा की प्रसिद्ध कृति है -

(1) नीतिशतक (2) पंचतंत्र (3) हितोपदेश (4) वैराग्यशतक

64. नारायण पंडित की प्रसिद्ध कृति है -

(1) नीतिशतक
(2) पंचतंत्र
(3) हितोपदेश
(4) वैराग्यशतक

65. "वासवदत्ता" के लेखक हैं -

(1) दण्डी
(2) अम्बिकादत्त व्यास
(3) सुबन्धु
(4) बाणभट्ट

66. "दशकुमारचरित" के लेखक हैं -

(1) नारायण पंडित
(2) अम्बिकादत्त व्यास
(3) सुबन्धु
(4) दण्डी

67. "शिवराजविजयम्" के लेखक हैं -

(1) अम्बिकादत्त व्यास
(2) विष्णुशर्मा
(3) नारायण पंडित
(4) विजय भट्ट

Scanned with OKEN Scanner

68. "नीतिशतक" के लेखक हैं –

(1) चाणक्य (2) विष्णुशर्मा

(3) भर्तृहरि (4) विदुर

69. कालिदास कृत नाटकों की संख्या है –

(1) पाँच (2) तीन

(3) चार (4) दो

70. कालिदास की कृतियों की संख्या है –

(1) सात (2) तीन

(3) चार (4) दस

71. "महर्षि" पद में सन्धि है –

(1) गुण सन्धि (2) वृद्धि सन्धि

(3) दीर्घ सन्धि (4) यण सन्धि

72. "गायकः" पद में सन्धि विच्छेद होगा –

(1) गा + अकः (2) गै + अकः

(3) गायू + अकः (4) गा + यकः

73. संस्कृत भाषा में विभक्तियों की संख्या होती है –

(1) पाँच (2) सात

(3) दस (4) छः

74. संस्कृत भाषा में कारकों की संख्या होती है –

(1) पाँच (2) सात

(3) दस (4) छह

75. सम्बन्ध बताने में विभक्ति होती है –

(1) पञ्चमी (2) षष्ठी

(3) चतुर्थी (4) तृतीया

Scanned with OKEN Scanner

76. कर्ता कारक में विभक्ति होती है –

(1) प्रथमा (2) द्वितीया

(3) पंचमी (4) चतुर्थी

77. सम्बोधन में विभक्ति होती है –

(1) द्वितीया (2) चतुर्थी

(3) प्रथमा (4) तृतीया

78. अपादान कारक में विभक्ति होती है –

(1) पञ्चमी (2) षष्ठी

(3) सप्तमी (4) चतुर्थी

79. अधिकरण कारक में विभक्ति होती है –

(1) पञ्चमी (2) षष्ठी

(3) सप्तमी (4) चतुर्थी

80. "बालकः विद्यालयं गच्छति" यहाँ रेखांकित पद में कारक है –

(1) करण (2) संप्रदान

(3) कर्म (4) अधिकरण

81. ऋग्वेद में "ऋक्" का अर्थ है –

(1) गायनपरक मन्त्र (2) अर्चनपरक मन्त्र

(3) यजनपरक मन्त्र (4) उपचारपरक मन्त्र

82. वेदत्रयी में किस वेद का परिगणन *नहीं* किया जाता ?

(1) अथर्ववेद (2) ऋग्वेद

(3) यजुर्वेद (4) सामवेद

83. ऋग्वेद में मण्डलों की संख्या है –

(1) बारह (2) दस

(3) बीस (4) चालीस

Scanned with OKEN Scanner

84. यजुर्वेद में अध्यायों की संख्या है –

(1) वीस (2) वारह

(3) चालीस (4) दस

85. अथर्ववेद में काण्डों की संख्या है –

(1) वीस (2) दस

(3) वारह (4) चालीस

86. सर्वाधिक मन्त्र संख्या वाला वेद है –

(1) यजुर्वेद (2) अथर्ववेद

(3) सामवेद (4) ऋग्वेद

87. सवसे कम मन्त्र संख्या वाला वेद है –

(1) यजुर्वेद (2) अथर्ववेद

(3) सामवेद (4) ऋग्वेद

88. किस शास्त्र को वेद पुरुष का मुख स्वीकार किया जाता है ?

(1) निरुक्त को (2) शिक्षा को

(3) ज्योतिष को (4) व्याकरण को

89. अधोलिखित में *असमान* विकल्प चुनें –

(1) निरुक्त (2) व्याकरण

(3) आयुर्वेद (4) ज्योतिष

90. किस शास्त्र को वेदपुरुष का पैर कहा जाता है ?

(1) व्याकरणशास्त्र को (2) कल्पशास्त्र को

(3) ज्योतिषशास्त्र को (4) छन्दशास्त्र को

91. "अष्मद्" शव्द का चतुर्थी विभक्ति वहुवचन में रूप होता है –

(1) अस्मभ्यम् (2) मह्यम्

(3) आवाभ्यः (4) अस्माभ्यः

Scanned with OKEN Scanner

92. "विद्वस्" शब्द का तृतीया विभक्ति एकवचन में रूप होता है –

(1) विदुषेण (2) विदुषा

(3) विद्वानेन (4) विदुषे

93. "भवतु" भू धातु के किस लकार का रूप है ?

(1) लट् (2) लिट्

(3) लोट् (4) लृट्

94. "अपठत्" पठ् धातु के किस लकार का रूप है ?

(1) लृङ् (2) लुङ्

(3) लङ् (4) लिङ्

95. "गमिष्यति" गम् धातु के किस लकार का रूप है ?

(1) लुट् (2) लिट्

(3) लोट् (4) लृट्

96. "पठ्" धातु लङ् लकार प्रथम पुरुष बहुवचन का रूप है –

(1) अपठः (2) अपठन्

(3) अपठम् (4) अपठाम

97. "हस्" धातु लोट् लकार उत्तम पुरुष एकवचन का रूप है –

(1) हसानि (2) हसामि

(3) हसाम (4) अहसाम

98. "कृ" धातु लृट् लकार उत्तम पुरुष बहुवचन का रूप है –

(1) करिष्यावः (2) करिष्यामि (3) करिष्यामः (4) करिष्यन्ति

99. "वद्" धातु लिङ् लकार प्रथम पुरुष बहुवचन का रूप है –

(1) वदेयुः (2) वदाम (3) वदेम (4) अवदन्

100. "हसन्तः" पद में प्रत्यय है –

(1) क्त (2) ल्यप् (3) क्तवतु (4) शतृ

Scanned with OKEN Scanner

Total No. of Printed Pages : 13

(DO NOT OPEN THIS QUESTION BOOKLET BEFORE TIME OR UNTIL YOU ARE ASKED TO DO SO)

C

SET-Y

PG-EE-July, 2025

SUBJECT : Sanskrit

Sr. No. 10055

Time : **1¼ Hours** Max. Marks : **100** Total Questions : **100**

Roll No. (in figures)_____ (in words) _____

Name _____ Date of Birth_____

Father's Name _____ Mother's Name_____

Date of Examination_____

(Signature of the Candidate) (Signature of the Invigilator)

CANDIDATES MUST READ THE FOLLOWING INFORMATION/INSTRUCTIONS BEFORE STARTING THE QUESTION PAPER.

1. ***All questions are compulsory.***
2. The candidates ***must return*** the question booklet as well as OMR Answer-Sheet to the Invigilator concerned before leaving the Examination Hall, failing which a case of use of unfair-means / mis-behaviour will be registered against him / her, in addition to lodging of an FIR with the police. Further the answer-sheet of such a candidate will not be evaluated.
3. Keeping in view the transparency of the examination system, carbonless OMR Sheet is provided to the candidate so that a copy of OMR Sheet may be kept by the candidate.
4. Question Booklet along with answer key of all the A, B, C & D code shall be got uploaded on the University Website immediately after the conduct of Entrance Examination. Candidates may raise valid objection/complaint if any, with regard to discrepancy in the question booklet/answer key within 24 hours of uploading the same on the University Website. The complaint be sent by the students to the Controller of Examinations by hand or through email. Thereafter, no complaint in any case, will be considered.
5. The candidate ***must not*** do any rough work or writing in the OMR Answer-Sheet. Rough work, if any, may be done in the question booklet itself. Answers ***must not*** be ticked in the question booklet.
6. ***There will be no negative marking. Each correct answer will be awarded one full mark. Cutting, erasing, overwriting and more than one answer in OMR Answer-Sheet will be treated as incorrect answer.***
7. Use only **Black** or **Blue Ball Point Pen** of good quality in the OMR Answer-Sheet.
8. *Before answering the questions, the candidates should ensure that they have been supplied correct and complete booklet. Complaints, if any, regarding misprinting etc. will not be entertained* **30** *minutes after starting of the examination.*

Scanned with OKEN Scanner

1. उपमा के लिए प्रसिद्ध कवि हैं –
   (1) अश्वघोष (2) दण्डी
   (3) विशाखदत्त (4) कालिदास

2. पदलालित्य के लिए प्रसिद्ध कवि हैं –
   (1) दण्डी (2) अश्वघोष (3) विशाखदत्त (4) बाणभट्ट

3. विष्णुशर्मा की प्रसिद्ध कृति है –
   (1) नीतिशतक (2) पंचतंत्र (3) हितोपदेश (4) वैराग्यशतक

4. नारायण पंडित की प्रसिद्ध कृति है –
   (1) नीतिशतक (2) पंचतंत्र
   (3) हितोपदेश (4) वैराग्यशतक

5. "वासवदत्ता" के लेखक हैं –
   (1) दण्डी (2) अम्बिकादत्त व्यास
   (3) सुवन्धु (4) बाणभट्ट

6. "दशकुमारचरित" के लेखक हैं –
   (1) नारायण पंडित (2) अम्बिकादत्त व्यास
   (3) सुवन्धु (4) दण्डी

7. "शिवराजविजयम्" के लेखक हैं –
   (1) अम्बिकादत्त व्यास (2) विष्णुशर्मा
   (3) नारायण पंडित (4) विजय भट्ट

8. "नीतिशतक" के लेखक हैं –
   (1) चाणक्य (2) विष्णुशर्मा
   (3) भर्तृहरि (4) विदुर

9. कालिदास कृत नाटकों की संख्या है –
   (1) पाँच (2) तीन (3) चार (4) दो

Scanned with OKEN Scanner

10. कालिदास की कृतियों की संख्या है –

(1) सात (2) तीन

(3) चार (4) दस

11. आदिकवि के नाम से प्रसिद्ध हैं –

(1) व्यास (2) वाल्मीकि

(3) वसिष्ठ (4) विश्वामित्र

12. शतसाहस्री के नाम से प्रसिद्ध ग्रन्थ है –

(1) वेद (2) उपनिषद्

(3) रामायण (4) महाभारत

13. आदिकाव्य के नाम से प्रसिद्ध ग्रन्थ है –

(1) गीता (2) उपनिषद् (3) रामायण (4) महाभारत

14. गीता किसका भाग है ?

(1) वेद का (2) उपनिषद् का

(3) रामायण का (4) महाभारत का

15. रामायण में कितने काण्ड हैं ?

(1) सात (2) बारह (3) आठ (4) दस

16. जय नामक काव्य के प्रणेता कवि हैं –

(1) व्यास (2) वाल्मीकि (3) वसिष्ठ (4) विश्वामित्र

17. *सही* युग्म पहचानें –

(1) अश्वघोष–कर्णभारम् (2) कालिदास–ऋतुसंहारम्

(3) भास–मेघदूतम् (4) बाणभट्ट–बुद्धचितम्

18. *सही* युग्म पहचानें :

(1) अश्वघोष–बुद्धचरितम् (2) विशाखदत्त–नागानन्दम्

(3) भट्ट नारायण–मुद्राराक्षसम् (4) भवभूति–प्रतिमानाटकम्

Scanned with OKEN Scanner

19. *सही* युग्म पहचानें :

(1) चारुदत्तम्-शूद्रक
(2) नागानन्दम्-विशाखदत्त
(3) मुद्राराक्षसम्-भट्ट नारायण
(4) उत्तररामचरितम्-भवभूति

20. *सही* युग्म पहचानें :

(1) अश्वघोष-किरातार्जुनीयम्
(2) भारवि-विक्रमोर्वशीयम्
(3) बाणभट्ट-कादम्बरी
(4) भास-शिवराजविजयम्

21. ऋग्वेद में "ऋक्" का अर्थ है -

(1) गायनपरक मन्त्र
(2) अर्चनपरक मन्त्र
(3) यजनपरक मन्त्र
(4) उपचारपरक मन्त्र

22. वेदत्रयी में किस वेद का परिगणन *नहीं* किया जाता ?

(1) अथर्ववेद
(2) ऋग्वेद
(3) यजुर्वेद
(4) सामवेद

23. ऋग्वेद में मण्डलों की संख्या है -

(1) बारह
(2) दस
(3) बीस
(4) चालीस

24. यजुर्वेद में अध्यायों की संख्या है -

(1) बीस
(2) बारह
(3) चालीस
(4) दस

25. अथर्ववेद में काण्डों की संख्या है -

(1) बीस
(2) दस
(3) बारह
(4) चालीस

26. सर्वाधिक मन्त्र संख्या वाला वेद है -

(1) यजुर्वेद
(2) अथर्ववेद
(3) सामवेद
(4) ऋग्वेद

27. सबसे कम मन्त्र संख्या वाला वेद है -

(1) यजुर्वेद
(2) अथर्ववेद
(3) सामवेद
(4) ऋग्वेद

Scanned with OKEN Scanner

28. किस शास्त्र को वेद पुरुष का मुख स्वीकार किया जाता है ?

(1) निरुक्त को (2) शिक्षा को

(3) ज्योतिष को (4) व्याकरण को

29. अधोलिखित में *असमान* विकल्प चुनें –

(1) निरुक्त (2) व्याकरण

(3) आयुर्वेद (4) ज्योतिष

30. किस शास्त्र को वेदपुरुष का पैर कहा जाता है ?

(1) व्याकरणशास्त्र को (2) कल्पशास्त्र को

(3) ज्योतिषशास्त्र को (4) छन्दशास्त्र को

31. "धावमानः" पद में प्रत्यय है –

(1) शतृ (2) शानच्

(3) क्तवतु (4) ण्वुल्

32. "पठित्वा" पद में प्रत्यय है –

(1) क्तवा (2) ल्यप्

(3) शतृ (4) ण्वुल्

33. अनुष्टुप् छंद के सभी चरणों में कौन-सा वर्ण लघु ही होता है ?

(1) चतुर्थ (2) पंचम

(3) षष्ठ (4) सप्तम

34. आर्या छंद के प्रथम चरण में मात्राओं की संख्या होती है –

(1) दस (2) बारह

(3) चौदह (4) आठ

35. तभजाः जगौ गः, के क्रम में गण व्यवस्था होने पर छंद होता है –

(1) मालिनी (2) इन्द्रवज्रा

(3) वसन्ततिलका (4) शिखरिणी

Scanned with OKEN Scanner

36. अनुप्रास अलंकार कितने प्रकार का होता है ?

(1) दो (2) चार

(3) तीन (4) पाँच

37. हेतु के बिना कार्य की उत्पत्ति का वर्णन होने पर अलंकार होता है –

(1) विभावना (2) उपमा

(3) अतिशयोक्ति (4) यमक

38. उपमेय और उपमान की तुलना करने पर अलंकार होता है –

(1) विभावना (2) उत्प्रेक्षा

(3) रूपक (4) उपमा

39. उपमेय में उपमान की संभावना व्यक्त करने पर अलंकार होता है –

(1) विशेषोक्ति (2) उत्प्रेक्षा

(3) अर्थान्तरन्यास (4) उपमा

40. हेतु के रहते हुए भी कार्य के न होने पर अलंकार होता है –

(1) रूपक (2) उपमा

(3) विशेषोक्ति (4) अतिशयोक्ति

41. "महर्षि" पद में सन्धि है –

(1) गुण सन्धि (2) वृद्धि सन्धि

(3) दीर्घ सन्धि (4) यण सन्धि

42. "गायकः" पद में सन्धि विच्छेद होगा –

(1) गा + अकः (2) गै + अकः

(3) गाय् + अकः (4) गा + यकः

43. संस्कृत भाषा में विभक्तियों की संख्या होती है –

(1) पाँच (2) सात

(3) दस (4) छः

Scanned with OKEN Scanner

44. संस्कृत भाषा में कारकों की संख्या होती है –

(1) पाँच (2) सात

(3) दस (4) छह

45. सम्बन्ध बताने में विभक्ति होती है –

(1) पञ्चमी (2) षष्ठी

(3) चतुर्थी (4) तृतीया

46. कर्ता कारक में विभक्ति होती है –

(1) प्रथमा (2) द्वितीया

(3) पंचमी (4) चतुर्थी

47. सम्बोधन में विभक्ति होती है –

(1) द्वितीया (2) चतुर्थी

(3) प्रथमा (4) तृतीया

48. अपादान कारक में विभक्ति होती है –

(1) पञ्चमी (2) षष्ठी

(3) सप्तमी (4) चतुर्थी

49. अधिकरण कारक में विभक्ति होती है –

(1) पञ्चमी (2) षष्ठी

(3) सप्तमी (4) चतुर्थी

50. "बालकः <u>विद्यालयं</u> गच्छति" यहाँ रेखांकित पद में कारक है –

(1) करण (2) संप्रदान

(3) कर्म (4) अधिकरण

51. "अभिज्ञानशाकुन्तलम्" के लेखक हैं –

(1) भवभूति (2) माघ

(3) भारवि (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Scanned with OKEN Scanner

52. "शिशुपालवधम्" के लेखक हैं –

(1) माघ (2) दण्डी

(3) श्रीहर्ष (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

53. "नैषधीयचरितम्" के लेखक हैं –

(1) बाणभट्ट (2) श्रीहर्ष

(3) भारवि (4) अश्वघोष

54. "प्रतिमानाटकम्" के लेखक हैं –

(1) बाणभट्ट (2) श्रीहर्ष (3) अश्वघोष (4) भास

55. लघुत्रयी में गिने जाने वाले काव्यग्रन्थ हैं –

(1) कुमारसम्भवम् – मेघदूतम् – रघुवंशम्

(2) रघुवंशम् – शिशुपालवधम् – नैषधीयचरितम्

(3) किरातार्जुनीयम् – शिशुपालवधम् – नैषधीयचरितम्

(4) कुमारसम्भवम् – मेघदूतम् – शिशुपालवधम्

56. वृहत्त्रयी में गिने जाने वाले काव्यग्रन्थ हैं –

(1) कुमारसम्भवम् – मेघदूतम् – रघुवंशम्

(2) रघुवंशम् – शिशुपालवधम् – नैषधीयचरितम्

(3) किरातार्जुनीयम् – शिशुपालवधम् – नैषधीयचरितम्

(4) कुमारसम्भवम् – मेघदूतम् – शिशुपालवधम्

57. "अभिज्ञानशाकुन्तलम्" नाटक में अंकों की संख्या है –

(1) आठ (2) पाँच

(3) सात (4) दस

58. "मृच्छकटिकम्" नाटक के लेखक हैं –

(1) अम्बिकादत्त व्यास (2) शूद्रक

(3) भवभूति (4) नारायण पंडित

Scanned with OKEN Scanner

59. "रत्नावली" नाटिका के लेखक हैं –

(1) बाणभट्ट (2) हर्षवर्धन

(3) भास (4) माघ

60. करुण रस के लिए प्रसिद्ध कवि हैं –

(1) श्रीहर्ष (2) भारवि

(3) विशाखदत्त (4) भवभूति

61. "वृक्षात् फलं पतति" यहाँ रेखांकित पद में कारक है –

(1) करण (2) अपादान

(3) संप्रदान (4) अधिकरण

62. "नृपः विप्राय धनं ददाति" यहाँ रेखांकित पद में कारक है –

(1) करण (2) अपादान

(3) अधिकरण (4) संप्रदान

63. "राम शब्द का रामाभ्याम् रूप किस विभक्ति में *नहीं* बनता है ?

(1) पंचमी (2) तृतीया

(3) षष्ठी (4) चतुर्थी

64. "कवि" शब्द का चतुर्थी विभक्ति एकवचन में रूप होता है –

(1) कवये (2) कवाय

(3) कव्यै (4) कवयः

65. "नदी" शब्द का तृतीया विभक्ति एकवचन में रूप होता है –

(1) नद्याम् (2) नद्यै

(3) नदिना (4) नद्या

66. "मति" शब्द का सप्तमी विभक्ति एकवचन में रूप होता है –

(1) मतौ (2) मते

(3) मतये (4) मत्याः

Scanned with OKEN Scanner

C

67. "पितृ" शब्द का षष्ठी विभक्ति एकवचन में रूप होता है –

(1) पितुः
(2) पितरस्य
(3) पित्रोः
(4) पित्रा

68. "इदम्" शब्द का पुल्लिंग में तृतीया विभक्ति बहुवचन में रूप होता है –

(1) इमान्
(2) एभ्यः
(3) एषाम्
(4) एभिः

69. "तत्" शब्द का नपुंसकलिंग में पंचमी एकवचन का रूप होता है –

(1) तेषाम्
(2) तस्य
(3) तस्मिन्
(4) तस्मात्

70. "तत्" शब्द का स्त्रीलिंग सप्तमी विभक्ति बहुवचन में रूप होता है –

(1) तेषु
(2) तासाम्
(3) तासु
(4) तस्याम्

71. "अष्मद्" शब्द का चतुर्थी विभक्ति बहुवचन में रूप होता है –

(1) अस्मभ्यम्
(2) मह्यम्
(3) आवाभ्यः
(4) अस्माभ्यः

72. "विद्वस्" शब्द का तृतीया विभक्ति एकवचन में रूप होता है –

(1) विदुषेण
(2) विदुषा
(3) विद्वानेन
(4) विदुषे

73. "भवतु" भू धातु के किस लकार का रूप है ?

(1) लट्
(2) लिट्
(3) लोट्
(4) लृट्

74. "अपठत्" पठ् धातु के किस लकार का रूप है ?

(1) लृङ्
(2) लुङ्
(3) लङ्
(4) लिङ्

Scanned with OKEN Scanner

75. "गमिष्यति" गम् धातु के किस लकार का रूप है ?

(1) लुट् (2) लिट्

(3) लोट् (4) लृट्

76. "पठ्" धातु लङ् लकार प्रथम पुरुष बहुवचन का रूप है –

(1) अपठः (2) अपठन्

(3) अपठम् (4) अपठाम

77. "हस्" धातु लोट् लकार उत्तम पुरुष एकवचन का रूप है –

(1) हसानि (2) हसामि

(3) हसाम (4) अहसाम

78. "कृ" धातु लृट् लकार उत्तम पुरुष बहुवचन का रूप है –

(1) करिष्यावः (2) करिष्यामि

(3) करिष्यामः (4) करिष्यन्ति

79. "वद्" धातु लिङ् लकार प्रथम पुरुष बहुवचन का रूप है –

(1) वदेयुः (2) वदाम (3) वदेम (4) अवदन्

80. "हसन्तः" पद में प्रत्यय है –

(1) क्त (2) ल्यप् (3) क्तवतु (4) शतृ

81. किस शास्त्र को वेदपुरुष का हाथ कहा जाता है ?

(1) व्याकरणशास्त्र को (2) कल्पशास्त्र को

(3) ज्योतिषशास्त्र को (4) छन्दशास्त्र को

82. ऋग्वेद से सम्बद्ध ब्राह्मणग्रन्थ है –

(1) ऐतरेय (2) गोपथ (3) शतपथ (4) ताण्ड्य

83. यजुर्वेद से सम्बद्ध ब्राह्मणग्रन्थ है –

(1) गोपथ (2) ऐतरेय

(3) शतपथ (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Scanned with OKEN Scanner

84. सामवेद से सम्बद्ध ब्राह्मणग्रन्थ है –

(1) गोपथ (2) ऐतरेय

(3) शतपथ (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

85. अथर्ववेद से सम्बद्ध ब्राह्मणग्रन्थ है –

(1) गोपथ (2) ऐतरेय

(3) शतपथ (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

86. यजुर्वेद से सम्बद्ध उपनिषद् है –

(1) ऐतरेयोपनिषद् (2) केनोपनिषद् (3) कठोपनिषद् (4) मुण्डकोपनिषद्

87. सामवेद से सम्बद्ध उपनिषद् है –

(1) कठोपनिषद् (2) केनोपनिषद्

(3) प्रश्नोपनिषद् (4) मुण्डकोपनिषद्

88. अथर्ववेद से सम्बद्ध उपनिषद् है –

(1) ऐतरेयोपनिषद् (2) केनोपनिषद् (3) छान्दोग्योपनिषद् (4) मुण्डकोपनिषद्

89. ऋग्वेद से सम्बद्ध उपनिषद् है –

(1) कठोपनिषद् (2) ऐतरेयोपनिषद्

(3) प्रश्नोपनिषद् (4) मुण्डकोपनिषद्

90. बृहदारण्यकोपनिषद् किस वेद से सम्बद्ध है ?

(1) सामवेद (2) ऋग्वेद

(3) अथर्ववेद (4) यजुर्वेद

91. उभयपदार्थप्रधान समास होता है –

(1) बहुव्रीहि (2) अव्ययीभाव

(3) तत्पुरुष (4) द्वन्द्व

92. उत्तरपदार्थ प्रधान समास होता है –

(1) द्वन्द्व (2) तत्पुरुष (3) अव्ययीभाव (4) बहुव्रीहि

Scanned with OKEN Scanner

93. अन्यपदार्थ प्रधान समास होता है –

(1) द्वन्द्व
(2) तत्पुरुष
(3) अव्ययीभाव
(4) बहुव्रीहि

94. "यथाशक्ति" पद में समास है –

(1) द्वन्द्व
(2) कर्मधारय
(3) अव्ययीभाव
(4) बहुव्रीहि

95. "नीलोत्पलम्" पद में समास है –

(1) कर्मधारय
(2) द्वन्द्व
(3) अव्ययीभाव
(4) बहुव्रीहि

96. "नगेन्द्रः" पद में सन्धि है –

(1) गुण सन्धि
(2) वृद्धि सन्धि
(3) दीर्घ सन्धि
(4) ह्रस्व सन्धि

97. "सतीशः" पद में सन्धि है –

(1) गुण सन्धि
(2) वृद्धि सन्धि
(3) दीर्घ सन्धि
(4) हल् सन्धि

98. "रमेशः" पद में सन्धि विच्छेद होगा –

(1) रमा + ईशः
(2) रमे + ईशः
(3) राम + ईशः
(4) रम + ईशः

99. "नायकः" पद में सन्धि है –

(1) गुण सन्धि
(2) वृद्धि सन्धि
(3) दीर्घ सन्धि
(4) अयादि सन्धि

100. "अद्यापि" पद में सन्धि है –

(1) यण सन्धि
(2) वृद्धि सन्धि
(3) दीर्घ सन्धि
(4) अयादि सन्धि

Scanned with OKEN Scanner

Total No. of Printed Pages : 13

(DO NOT OPEN THIS QUESTION BOOKLET BEFORE TIME OR UNTIL YOU ARE ASKED TO DO SO)

D

SET-Y

PG-EE-July, 2025

SUBJECT : Sanskrit

Sr. No. 10056

Time : **1¼ Hours** Max. Marks : **100** Total Questions : **100**

Roll No. (in figures)_____ (in words) _____

Name _____ Date of Birth_____

Father's Name _____ Mother's Name _____

Date of Examination _____

_____ _____

(Signature of the Candidate) (Signature of the Invigilator)

CANDIDATES MUST READ THE FOLLOWING INFORMATION/INSTRUCTIONS BEFORE STARTING THE QUESTION PAPER.

1. ***All questions are compulsory.***
2. The candidates ***must return*** the question booklet as well as OMR Answer-Sheet to the Invigilato concerned before leaving the Examination Hall, failing which a case of use of unfair-means / mis-behaviour will be registered against him / her, in addition to lodging of an FIR with the police. Further the answer-sheet of such a candidate will not be evaluated.
3. Keeping in view the transparency of the examination system, carbonless OMR Sheet is provided to the candidate so that a copy of OMR Sheet may be kept by the candidate.
4. Question Booklet along with answer key of all the A, B, C & D code shall be got uploaded on the University Website immediately after the conduct of Entrance Examination. Candidates may raise valid objection/complaint if any, with regard to discrepancy in the question booklet/answer key within 24 hours of uploading the same on the University Website. The complaint be sent by the students to the Controller of Examinations by hand or through email. Thereafter, no complaint in any case, will be considered.
5. The candidate ***must not*** do any rough work or writing in the OMR Answer-Sheet. Rough work, if any, may be done in the question booklet itself. Answers ***must not*** be ticked in the question booklet.
6. ***There will be no negative marking. Each correct answer will be awarded one full mark. Cutting, erasing, overwriting and more than one answer in OMR Answer-Sheet will be treated as incorrect answer.***
7. Use only **Black** or **Blue Ball Point Pen** of good quality in the OMR Answer-Sheet.
8. *Before answering the questions, the candidates should ensure that they have been supplied correct and complete booklet. Complaints, if any, regarding misprinting etc. will not be entertained* **30** *minutes after starting of the examination.*

Scanned with OKEN Scanner

1. "वृक्षात् फलं पतति" यहाँ रेखांकित पद में कारक है –
   (1) करण (2) अपादान
   (3) संप्रदान (4) अधिकरण

2. "नृपः विप्राय धनं ददाति" यहाँ रेखांकित पद में कारक है –
   (1) करण (2) अपादान
   (3) अधिकरण (4) संप्रदान

3. "राम शब्द का रामाभ्याम् रूप किस विभक्ति में *नहीं* बनता है ?
   (1) पंचमी (2) तृतीया
   (3) षष्ठी (4) चतुर्थी

4. "कवि" शब्द का चतुर्थी विभक्ति एकवचन में रूप होता है –
   (1) कवये (2) कवाय
   (3) कव्यै (4) कवयः

5. "नदी" शब्द का तृतीया विभक्ति एकवचन में रूप होता है –
   (1) नद्याम् (2) नद्यै
   (3) नदिना (4) नद्या

6. "मति" शब्द का सप्तमी विभक्ति एकवचन में रूप होता है –
   (1) मतौ (2) मते
   (3) मतये (4) मत्याः

7. "पितृ" शब्द का षष्ठी विभक्ति एकवचन में रूप होता है –
   (1) पितुः (2) पितरस्य
   (3) पित्रोः (4) पित्रा

8. "इदम्" शब्द का पुल्लिंग में तृतीया विभक्ति बहुवचन में रूप होता है –
   (1) इमान् (2) एभ्यः
   (3) एषाम् (4) एभिः

Scanned with OKEN Scanner

9. "तत्" शब्द का नपुंसकलिंग में पंचमी एकवचन का रूप होता है –

(1) तेषाम् (2) तस्य

(3) तस्मिन् (4) तस्मात्

10. "तत्" शब्द का स्त्रीलिंग सप्तमी विभक्ति बहुवचन में रूप होता है –

(1) तेषु (2) तासाम्

(3) तासु (4) तस्याम्

11. उभयपदार्थप्रधान समास होता है –

(1) बहुव्रीहि (2) अव्ययीभाव

(3) तत्पुरुष (4) द्वन्द्व

12. उत्तरपदार्थ प्रधान समास होता है –

(1) द्वन्द्व (2) तत्पुरुष (3) अव्ययीभाव (4) बहुव्रीहि

13. अन्यपदार्थ प्रधान समास होता है –

(1) द्वन्द्व (2) तत्पुरुष (3) अव्ययीभाव (4) बहुव्रीहि

14. "यथाशक्ति" पद में समास है –

(1) द्वन्द्व (2) कर्मधारय (3) अव्ययीभाव (4) बहुव्रीहि

15. "नीलोत्पलम्" पद में समास है –

(1) कर्मधारय (2) द्वन्द्व

(3) अव्ययीभाव (4) बहुव्रीहि

16. "नगेन्द्रः" पद में सन्धि है –

(1) गुण सन्धि (2) वृद्धि सन्धि

(3) दीर्घ सन्धि (4) ह्रस्व सन्धि

17. "सतीशः" पद में सन्धि है –

(1) गुण सन्धि (2) वृद्धि सन्धि

(3) दीर्घ सन्धि (4) हल् सन्धि

Scanned with OKEN Scanner

18. "रमेशः" पद में सन्धि विच्छेद होगा –

(1) रमा + ईशः
(2) रमे + ईशः
(3) राम + ईशः
(4) रम + ईशः

19. "नायकः" पद में सन्धि है –

(1) गुण सन्धि
(2) वृद्धि सन्धि
(3) दीर्घ सन्धि
(4) अयादि सन्धि

20. "अद्यापि" पद में सन्धि है –

(1) यण सन्धि
(2) वृद्धि सन्धि
(3) दीर्घ सन्धि
(4) अयादि सन्धि

21. "अभिज्ञानशाकुन्तलम्" के लेखक हैं –

(1) भवभूति
(2) माघ
(3) भारवि
(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

22. "शिशुपालवधम्" के लेखक हैं –

(1) माघ
(2) दण्डी
(3) श्रीहर्ष
(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

23. "नैषधीयचरितम्" के लेखक हैं –

(1) वाणभट्ट (2) श्रीहर्ष (3) भारवि (4) अश्वघोष

24. "प्रतिमानाटकम्" के लेखक हैं –

(1) वाणभट्ट (2) श्रीहर्ष (3) अश्वघोष (4) भास

25. लघुत्रयी में गिने जाने वाले काव्यग्रन्थ हैं –

(1) कुमारसम्भवम् – मेघदूतम् – रघुवंशम्
(2) रघुवंशम् – शिशुपालवधम् – नैषधीयचरितम्
(3) किरातार्जुनीयम् – शिशुपालवधम् – नैषधीयचरितम्
(4) कुमारसम्भवम् – मेघदूतम् – शिशुपालवधम्

Scanned with OKEN Scanner

26. बृहत्त्रयी में गिने जाने वाले काव्यग्रन्थ हैं –

(1) कुमारसम्भवम् – मेघदूतम् – रघुवंशम्

(2) रघुवंशम् – शिशुपालवधम् – नैषधीयचरितम्

(3) किरातार्जुनीयम् – शिशुपालवधम् – नैषधीयचरितम्

(4) कुमारसम्भवम् – मेघदूतम् – शिशुपालवधम्

27. "अभिज्ञानशाकुन्तलम्" नाटक में अंकों की संख्या है –

(1) आठ (2) पाँच

(3) सात (4) दस

28. "मृच्छकटिकम्" नाटक के लेखक हैं –

(1) अम्बिकादत्त व्यास (2) शूद्रक

(3) भवभूति (4) नारायण पंडित

29. "रत्नावली" नाटिका के लेखक हैं –

(1) बाणभट्ट (2) हर्षवर्धन

(3) भास (4) माघ

30. करुण रस के लिए प्रसिद्ध कवि हैं –

(1) श्रीहर्ष (2) भारवि (3) विशाखदत्त (4) भवभूति

31. किस शास्त्र को वेदपुरुष का हाथ कहा जाता है ?

(1) व्याकरणशास्त्र को (2) कल्पशास्त्र को

(3) ज्योतिषशास्त्र को (4) छन्दशास्त्र को

32. ऋग्वेद से सम्बद्ध ब्राह्मणग्रन्थ है –

(1) ऐतरेय (2) गोपथ (3) शतपथ (4) ताण्ड्य

33. यजुर्वेद से सम्बद्ध ब्राह्मणग्रन्थ है –

(1) गोपथ (2) ऐतरेय

(3) शतपथ (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Scanned with OKEN Scanner

34. सामवेद से सम्बद्ध ब्राह्मणग्रन्थ है –
(1) गोपथ (2) ऐतरेय
(3) शतपथ (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

35. अथर्ववेद से सम्बद्ध ब्राह्मणग्रन्थ है –
(1) गोपथ (2) ऐतरेय
(3) शतपथ (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

36. यजुर्वेद से सम्बद्ध उपनिषद् है –
(1) ऐतरेयोपनिषद् (2) केनोपनिषद् (3) कठोपनिषद् (4) मुण्डकोपनिषद्

37. सामवेद से सम्बद्ध उपनिषद् है –
(1) कठोपनिषद् (2) केनोपनिषद्
(3) प्रश्नोपनिषद् (4) मुण्डकोपनिषद्

38. अथर्ववेद से सम्बद्ध उपनिषद् है –
(1) ऐतरेयोपनिषद् (2) केनोपनिषद्
(3) छान्दोग्योपनिषद् (4) मुण्डकोपनिषद्

39. ऋग्वेद से सम्बद्ध उपनिषद् है –
(1) कठोपनिषद् (2) ऐतरेयोपनिषद्
(3) प्रश्नोपनिषद् (4) मुण्डकोपनिषद्

40. बृहदारण्यकोपनिषद् किस वेद से सम्बद्ध है ?
(1) सामवेद (2) ऋग्वेद (3) अथर्ववेद (4) यजुर्वेद

41. "धावमानः" पद में प्रत्यय है –
(1) शतृ (2) शानच् (3) क्तवतु (4) ण्वुल्

42. "पठित्वा" पद में प्रत्यय है –
(1) क्त्वा (2) ल्यप्
(3) शतृ (4) ण्वुल्

Scanned with OKEN Scanner

43. अनुष्टुप् छंद के सभी चरणों में कौन-सा वर्ण लघु ही होता है ?
(1) चतुर्थ
(2) पंचम
(3) षष्ठ
(4) सप्तम

44. आर्या छंद के प्रथम चरण में मात्राओं की संख्या होती है –
(1) दस
(2) बारह
(3) चौदह
(4) आठ

45. तभजाः जगौ गः, के क्रम में गण व्यवस्था होने पर छंद होता है –
(1) मालिनी
(2) इन्द्रवज्रा
(3) वसन्ततिलका
(4) शिखरिणी

46. अनुप्रास अलंकार कितने प्रकार का होता है ?
(1) दो
(2) चार
(3) तीन
(4) पाँच

47. हेतु के बिना कार्य की उत्पत्ति का वर्णन होने पर अलंकार होता है –
(1) विभावना
(2) उपमा
(3) अतिशयोक्ति
(4) यमक

48. उपमेय और उपमान की तुलना करने पर अलंकार होता है –
(1) विभावना
(2) उत्प्रेक्षा
(3) रूपक
(4) उपमा

49. उपमेय में उपमान की संभावना व्यक्त करने पर अलंकार होता है –
(1) विशेषोक्ति
(2) उत्प्रेक्षा
(3) अर्थान्तरन्यास
(4) उपमा

50. हेतु के रहते हुए भी कार्य के न होने पर अलंकार होता है –
(1) रूपक
(2) उपमा
(3) विशेषोक्ति
(4) अतिशयोक्ति

Scanned with OKEN Scanner

51. "महर्षि" पद में सन्धि है –

(1) गुण सन्धि (2) वृद्धि सन्धि

(3) दीर्घ सन्धि (4) यण सन्धि

52. "गायकः" पद में सन्धि विच्छेद होगा –

(1) गा + अकः (2) गै + अकः

(3) गाय् + अकः (4) गा + यकः

53. संस्कृत भाषा में विभक्तियों की संख्या होती है –

(1) पाँच (2) सात

(3) दस (4) छः

54. संस्कृत भाषा में कारकों की संख्या होती है –

(1) पाँच (2) सात

(3) दस (4) छह

55. सम्बन्ध बताने में विभक्ति होती है –

(1) पञ्चमी (2) षष्ठी

(3) चतुर्थी (4) तृतीया

56. कर्ता कारक में विभक्ति होती है –

(1) प्रथमा (2) द्वितीया

(3) पंचमी (4) चतुर्थी

57. सम्बोधन में विभक्ति होती है –

(1) द्वितीया (2) चतुर्थी

(3) प्रथमा (4) तृतीया

58. अपादान कारक में विभक्ति होती है –

(1) पञ्चमी (2) षष्ठी

(3) सप्तमी (4) चतुर्थी

Scanned with OKEN Scanner

59. अधिकरण कारक में विभक्ति होती है –

(1) पञ्चमी (2) षष्ठी

(3) सप्तमी (4) चतुर्थी

60. "बालकः विद्यालयं गच्छति" यहाँ रेखांकित पद में कारक है –

(1) करण (2) संप्रदान

(3) कर्म (4) अधिकरण

61. "अष्मद्" शब्द का चतुर्थी विभक्ति बहुवचन में रूप होता है –

(1) अस्मभ्यम् (2) मह्यम्

(3) आवाभ्यः (4) अस्माभ्यः

62. "विद्वस्" शब्द का तृतीया विभक्ति एकवचन में रूप होता है –

(1) विदुषेण (2) विदुषा

(3) विद्वानेन (4) विदुषे

63. "भवतु" भू धातु के किस लकार का रूप है ?

(1) लट् (2) लिट्

(3) लोट् (4) लृट्

64. "अपठत्" पठ् धातु के किस लकार का रूप है ?

(1) लृङ् (2) लुङ्

(3) लङ् (4) लिङ्

65. "गमिष्यति" गम् धातु के किस लकार का रूप है ?

(1) लुट् (2) लिट्

(3) लोट् (4) लृट्

66. "पठ्" धातु लङ् लकार प्रथम पुरुष बहुवचन का रूप है –

(1) अपठः (2) अपठन्

(3) अपठम् (4) अपठाम

Scanned with OKEN Scanner

67. "हस्" धातु लोट् लकार उत्तम पुरुष एकवचन का रूप है –
(1) हसानि (2) हसामि
(3) हसाम (4) अहसाम

68. "कृ" धातु लृट् लकार उत्तम पुरुष बहुवचन का रूप है –
(1) करिष्यावः (2) करिष्यामि
(3) करिष्यामः (4) करिष्यन्ति

69. "वद्" धातु लिङ् लकार प्रथम पुरुष बहुवचन का रूप है –
(1) वदेयुः (2) वदाम
(3) वदेम (4) अवदन्

70. "हसन्तः" पद में प्रत्यय है –
(1) क्त (2) ल्यप्
(3) क्तवतु (4) शतृ

71. उपमा के लिए प्रसिद्ध कवि हैं –
(1) अश्वघोष (2) दण्डी
(3) विशाखदत्त (4) कालिदास

72. पदलालित्य के लिए प्रसिद्ध कवि हैं –
(1) दण्डी (2) अश्वघोष (3) विशाखदत्त (4) बाणभट्ट

73. विष्णुशर्मा की प्रसिद्ध कृति है –
(1) नीतिशतक (2) पंचतंत्र (3) हितोपदेश (4) वैराग्यशतक

74. नारायण पंडित की प्रसिद्ध कृति है –
(1) नीतिशतक (2) पंचतंत्र (3) हितोपदेश (4) वैराग्यशतक

75. "वासवदत्ता" के लेखक हैं –
(1) दण्डी (2) अम्बिकादत्त व्यास
(3) सुबन्धु (4) बाणभट्ट

Scanned with OKEN Scanner

76. "दशकुमारचरित" के लेखक हैं –

(1) नारायण पंडित
(2) अम्बिकादत्त व्यास
(3) सुबन्धु
(4) दण्डी

77. "शिवराजविजयम्" के लेखक हैं –

(1) अम्बिकादत्त व्यास
(2) विष्णुशर्मा
(3) नारायण पंडित
(4) विजय भट्ट

78. "नीतिशतक" के लेखक हैं –

(1) चाणक्य
(2) विष्णुशर्मा
(3) भर्तृहरि
(4) विदुर

79. कालिदास कृत नाटकों की संख्या है –

(1) पाँच
(2) तीन
(3) चार
(4) दो

80. कालिदास की कृतियों की संख्या है –

(1) सात
(2) तीन
(3) चार
(4) दस

81. आदिकवि के नाम से प्रसिद्ध हैं –

(1) व्यास
(2) वाल्मीकि
(3) वसिष्ठ
(4) विश्वामित्र

82. शतसाहस्री के नाम से प्रसिद्ध ग्रन्थ है –

(1) वेद
(2) उपनिषद्
(3) रामायण
(4) महाभारत

83. आदिकाव्य के नाम से प्रसिद्ध ग्रन्थ है –

(1) गीता
(2) उपनिषद्
(3) रामायण
(4) महाभारत

Scanned with OKEN Scanner

84. गीता किसका भाग है ?

(1) वेद का (2) उपनिषद् का

(3) रामायण का (4) महाभारत का

85. रामायण में कितने काण्ड हैं ?

(1) सात (2) बारह

(3) आठ (4) दस

86. जय नामक काव्य के प्रणेता कवि हैं –

(1) व्यास (2) वाल्मीकि

(3) वसिष्ठ (4) विश्वामित्र

87. *सही* युग्म पहचानें –

(1) अश्वघोष–कर्णभारम् (2) कालिदास–ऋतुसंहारम्

(3) भास–मेघदूतम् (4) बाणभट्ट–बुद्धचितम्

88. *सही* युग्म पहचानें :

(1) अश्वघोष–बुद्धचरितम् (2) विशाखदत्त–नागानन्दम्

(3) भट्ट नारायण–मुद्राराक्षसम् (4) भवभूति–प्रतिमानाटकम्

89. *सही* युग्म पहचानें :

(1) चारुदत्तम्–शूद्रक (2) नागानन्दम्–विशाखदत्त

(3) मुद्राराक्षसम्–भट्ट नारायण (4) उत्तररामचरितम्–भवभूति

90. *सही* युग्म पहचानें :

(1) अश्वघोष–किरातार्जुनीयम् (2) भारवि–विक्रमोर्वशीयम्

(3) बाणभट्ट–कादम्बरी (4) भास–शिवराजविजयम्

91. ऋग्वेद में "ऋक्" का अर्थ है –

(1) गायनपरक मन्त्र (2) अर्चनपरक मन्त्र

(3) यजनपरक मन्त्र (4) उपचारपरक मन्त्र

Scanned with OKEN Scanner

92. वेदत्रयी में किस वेद का परिगणन *नहीं* किया जाता ?

(1) अथर्ववेद (2) ऋग्वेद (3) यजुर्वेद (4) सामवेद

93. ऋग्वेद में मण्डलों की संख्या है –

(1) बारह (2) दस

(3) बीस (4) चालीस

94. यजुर्वेद में अध्यायों की संख्या है –

(1) बीस (2) बारह (3) चालीस (4) दस

95. अथर्ववेद में काण्डों की संख्या है –

(1) बीस (2) दस

(3) बारह (4) चालीस

96. सर्वाधिक मन्त्र संख्या वाला वेद है –

(1) यजुर्वेद (2) अथर्ववेद

(3) सामवेद (4) ऋग्वेद

97. सबसे कम मन्त्र संख्या वाला वेद है –

(1) यजुर्वेद (2) अथर्ववेद

(3) सामवेद (4) ऋग्वेद

98. किस शास्त्र को वेद पुरुष का मुख स्वीकार किया जाता है ?

(1) निरुक्त को (2) शिक्षा को

(3) ज्योतिष को (4) व्याकरण को

99. अधोलिखित में *असमान* विकल्प चुनें –

(1) निरुक्त (2) व्याकरण (3) आयुर्वेद (4) ज्योतिष

100. किस शास्त्र को वेदपुरुष का पैर कहा जाता है ?

(1) व्याकरणशास्त्र को (2) कल्पशास्त्र को

(3) ज्योतिषशास्त्र को (4) छन्दशास्त्र को

Scanned with OKEN Scanner

Answer keys of M.A. (Sanskrit) entrance exam dated 18.07.2025				
Q. NO.	A	B	C	D
1	2	2	4	2
2	1	1	1	4
3	2	3	2	3
4	3	4	3	1
5	1	1	3	4
6	4	3	4	1
7	3	2	1	1
8	4	4	3	4
9	3	2	2	4
10	4	4	1	3
11	2	2	2	4
12	1	1	4	2
13	3	2	3	4
14	4	2	4	3
15	1	3	1	1
16	3	4	1	1
17	2	1	2	3
18	4	4	1	1
19	2	2	4	4
20	4	3	3	3
21	2	2	2	4
22	4	4	1	1
23	3	3	2	2
24	4	1	3	4
25	1	4	1	1
26	1	1	4	3
27	2	1	3	3
28	1	4	4	2
29	4	4	3	2
30	3	3	4	4
31	4	4	2	2
32	1	2	1	1
33	2	4	2	3
34	4	3	2	4
35	1	1	3	1
36	3	1	4	3
37	3	3	1	2
38	2	1	4	4
39	2	4	2	2
40	4	3	3	4
41	4	4	1	2
42	1	1	2	1
43	2	2	2	2
44	3	4	4	2
45	3	1	2	3
46	4	3	1	4
47	1	3	3	1
48	3	2	1	4
49	2	2	3	2
50	1	4	3	3

18/07/25

Answer keys of M.A. (Sanskrit) entrance exam dated 18.07.2025				
Q. NO.	A	B	C	D
51	4	2	4	1
52	2	4	1	2
53	4	3	2	2
54	3	4	4	4
55	1	1	1	2
56	1	1	3	1
57	3	2	3	3
58	1	1	2	1
59	4	4	2	3
60	3	3	4	3
61	1	4	2	1
62	2	1	4	2
63	2	2	3	3
64	4	3	1	3
65	2	3	4	4
66	1	4	1	2
67	3	1	1	1
68	1	3	4	3
69	3	2	4	1
70	3	1	3	4
71	2	1	1	4
72	4	2	2	1
73	3	2	3	2
74	1	4	3	3
75	4	2	4	3
76	1	1	2	4
77	1	3	1	1
78	4	1	3	3
79	4	3	1	2
80	3	3	4	1
81	1	2	2	2
82	2	1	1	4
83	3	2	3	3
84	3	3	4	4
85	4	1	1	1
86	2	4	3	1
87	1	3	2	2
88	3	4	4	1
89	1	3	2	4
90	4	4	4	3
91	2	1	4	2
92	1	2	2	1
93	2	3	4	2
94	2	3	3	3
95	3	4	1	1
96	4	2	1	4
97	1	1	3	3
98	4	3	1	4
99	2	1	4	3
100	3	4	3	4

18/7/25